गंगाजल द, पेसाब मृत्यू टाल।

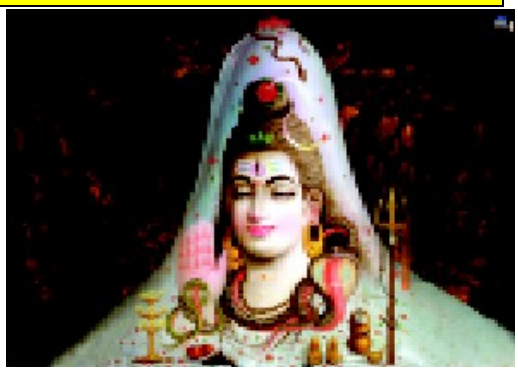

एक दिन सागर राजा क 1000 बीमार लडिक्यन भगीरथजीने स्वर्ग से गंगा लियाय के बचाऐन।. जुलाब के रोगी के निमक, शक्कर क घोल पियास न लगय इतना द।. ओन बचिहीं ऐके आदर्श जल के गंगाजल कहथेन।. ओके वईसन बनव।.

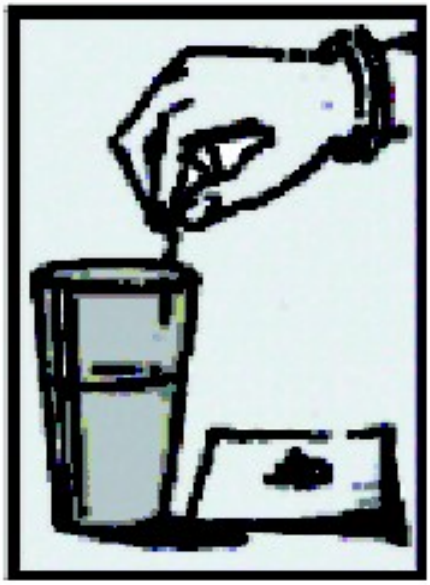

1) 1 गिलास (200 मिली) पतिल अनाज में (चावल क पानी, दाल क पानी, नींबू क पानी) अच्छा मतलब दुय उगरीमें आई, इतना नमक डाल।.

2) 1 गिलास (200 मिली) पानी में 1 चम्मच चीनी और दुय उगरिमें आई इतना नमक डाल।. ऐकर स्वाद आसू जैसन होई।.

3) 1 गिलास (200 मिली) पानी में ओ. आर. एस. पावडर डालयके।. पियास न लग्य इतना पानी पियावके हरपल।.

पेसाब मृत्यू बंद होय जाई। शिवजी के मंदिर में शिवलिंग पर हर पल जलाभिषेक होथ।. जुलाब के रोगी के हर सांस के बाद थोड्य गंगाजल देत रहयं।.

अईसन जुलाब क रोगी पेसाब करत रहय के चाहि।. ऐसे जुलाब मृत्यू घट्टी ।.

जुलाब क इलाज गंगाजल नाईलाज सलाईन बा।.

हेई पोस्टर दिवाल पर लगावयं।

हेई पानी के गंगाजल कहयसे सब जने ऐके आसानी से समझथेनं गौर करय, इबात सबके बतावयं।.